

नष्ट करने के लिए उसे अत्यधिक ताप पर गर्म करके फिर तेजी से ठंडा करके किण्वन (खमीर) रोकने की क्रिया, आंशिक निर्जीवीकरण।

**पास्चुरीकृत वि.** (अं.+तत्.) जिसका पास्चुरीकरण हो चुका हो।

**पास्चुरीकृत दुग्ध** पुं. (अं.+तत्.) 72° सेल्सियस तक गरम करके ठंडा किया गया दूध।

**पाहँ अव्य.** (देश.) 1. निकट, पास, समीप 2. प्रति, से।

**पाह पुं.** (तद्.) 1. पथ, मार्ग, रास्ता 2. एक तरह का पत्थर जिससे लौंग, फिटकरी, अफीम आदि घिसकर आँख पर लगाने का लेप बनाया जाता है।

**पाहत पुं.** (देश.) शहतूत का पेड़।

**पाहन पुं.** (तद्.) 1. पत्थर उदा. पाहन पूजें हरि मिलै-कबीर 2. उपल, ओला 3. कसौटी का पत्थर 4. पारस पत्थर, स्पर्शमणि वि. (तद्.) निष्ठुर, निर्दय, क्रूर।

**पाहरू पुं.** (देश.) प्रहरी, पहरेदार उदा. नाम पाहरू दिवस निसि -तुलसी।

**पाहल स्त्री.** (देश.) सिक्ख धर्म की दीक्षा देने के समय होने वाला धार्मिक कृत्य अथवा समारोह।

**पाहा पुं.** (देश.) 1. पथ, मार्ग 2. मेंड़।

**पाहार पुं.** (देश.) 1. बादल, मेघ 2. पुं. (देश.) पहाड़।

**पाहिं अव्य.** (देश.) 1. पास, निकट, समीप 2. किसी की ओर, किसी के प्रति 3. किसी उद्देश्य से अथवा उसके पास जाकर।

**पाहि अव्य.** (तत्.) रक्षा करो, बचाओ उदा. गहे पाहि प्रनतारति हरना -तुलसी।

**पाहिमाम अव्य.** (तद्.) त्राहिमाम, मेरी रक्षा करो।

**पाहीं अव्य.** (तद्.) पास, निकट उदा. व्याकुल गयउ देवरिषि पाहीं -तुलसी स्त्री. (देश.) वह खेती जो किसान के घर या गाँव से दूर हो।

**पाहुड पुं.** (प्रा.) जैन. जैन ग्रंथों का एक प्रकार जैसे- जैन ग्रंथ-‘कषाय-पाहुड’।

**पाहुन पुं.** (प्रा.) पाहुना, अतिथि, मेहमान।

**पाहुना पुं.** (प्रा.) अतिथि, मेहमान, पाहुन।

**पाहुनी स्त्री.** (प्रा.) 1. अतिथि सत्कार, मेहमानदारी 2. अतिथि स्त्री, मेहमानिन।

**पाहुर पुं.** (प्रा. पाहुड) 1. उपहार, भेंट 2. शुभ अवसरों पर संबंधियों और इष्ट मित्रों के यहाँ भेजे जाने वाले फल, मिठाइयाँ आदि, बैन, बायन।

**पाहू पुं.** (देश.) 1. पथिक, बटोही 2. पाहुना, मेहमान 3. दामाद पुं. (देश.) पैर पर भी जैसे-परिपाहू।

**पिंग वि.** (तत्.) 1. पीलापन लिए हुए भूरा 2. कुछ लालिमा लिए हुए, भूरे रंग का पुं. (तद्.) 1. कुछ लालिमा लिए हुए भूरा रंग 2. चूहा 3. भैंसा 3. हरताल।

**पिंग-चक्षु वि.** (तत्.) जिसकी आँखें भूरे रंग की हों।

**पिंग-पाँग पुं.** (अं.) मेज पर खेला जाने वाला टेनिस जैसा खेल टि. इसे टेबल-टेनिस भी कहा जाता है।

**पिंगल वि.** (तत्.) लालिमा लिए हुए भूरे रंग का पुं. (तत्.) 1. लालिमा या पीलापन लिए हुए भूरा रंग 2. छंद शास्त्र के प्रथम आचार्य 3. छंद शास्त्र 4. साठ संवत्सरों के चक्र में 51वाँ संवत्सर 5. संगीत में प्रातःकाल के समय गाया जाने वाला एक राग 6. कुबेर की नौ निधियों में से एक 7. सूर्य का एक गण 8. एक यक्ष का नाम 9. अग्नि, आग 10. नकुल, नेवला 11. बंदर 12. उल्लू 13. पीपल 14. एक प्रकार का स्थावर विष 15. ब्रजभाषा टि. काव्य में प्रयुक्त मारवाड़ी बोली अथवा भाषा को डिंगल कहा जाता था, उसी के अनुकरण में ब्रज भाषा को पिंगल भी कहा गया है।

**पिंगलशास्त्र पुं.** (तत्.) आचार्य पिंगल द्वारा रचित शास्त्र, छंदशास्त्र।